सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 61 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 4 अप्रैल, 2024
मूल्य ₹ 3/-

माता-पिता का सम्मान किया जाना चाहिए और बड़ों का भी, जीवित प्राणियों के प्रति दयालुता को मजबूत किया जाना चाहिए और सत्य बोला जाना चाहिए।
-सम्राट अशोक

केकेआर का धमाल, रिकॉर्ड 272 रन... 7 | जननायकों की तरह उभरे, बदली... 3 | भाजपा ने लोकतांत्रिक मूल्यों का... 2

केजरीवाल को कोर्ट से मिली राहत जेल से चला सकते हैं सरकार

» अदालत नहीं कर सकती सारे काम, उपराज्यपाल के पास जाइए : कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीएम पद से हटाने की दूसरी याचिका भी खारिज, बने रहेंगे मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अदालत से बड़ी राहत मिली है। केजरीवाल जेल से ही सरकार चलाएंगे। दिल्ली हाई कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें केजरीवाल को दिल्ली के सीएम पद से हटाने की मांग की थी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने अरविंद केजरीवाल को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से हटाने का निर्देश देने की मांग वाली एक अन्य जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। दलीलों के दौरान, दिल्ली हाईकोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि कभी-कभी, व्यक्तिगत हित को राष्ट्रीय हित के अधीन करना पड़ता है।

बता दें कि इससे पहले भी कोर्ट इस तरह की याचिका को खारिज कर चुका है। कोर्ट का कहना है कि इस तरह का न्यायिक हस्तक्षेप नहीं हो सकता है। पद से हटाने के लिए याचिका को खारिज करते हुए कोर्ट ने कहा कि हम ये कैसे कह सकते हैं कि दिल्ली सरकार काम नहीं कर रही है। उपराज्यपाल किसी भी तरह का फैसला लेने में सक्षम है। इससे पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में हाईकोर्ट मे याचिका दायर की गई है। इस संबंध में दिल्ली हाई कोर्ट ने पहले ही दिन यानी तीन अप्रैल को ही अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सुनीता केजरीवाल ने पढ़ा सीएम का संदेश

दिल्ली आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पत्नी सुनीता केजरीवाल की राजनीति में सहभागिता धीरे-धीरे बढ़ रही है। ताजा मामले में सुनीता केजरीवाल ने आज गुरुवार को प्रेस वार्ता कर सीएम केजरीवाल का तिहाड़ जेल से आम आदमी पार्टी (आप) विधायकों को भेजा गया संदेश पढ़ा। सुनीता केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री ने जेल से अपने संदेश में आप विधायकों से रोजाना अपने क्षेत्रों का दौरा करने और यह सुनिश्चित करने को कहा है कि लोगों को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। आपके केजरीवाल ने सभी विधायकों के लिए जेल से संदेश भेजा है। मैं जेल में हूं, इस वजह से किसी भी दिल्लीवासी को किसी तरह की तकलीफ नहीं होनी चाहिए। हर विधायक इलाके का रोज दौरा करे और लोगों से उनकी समस्याएं पूछे और उसे दूर करे। दिल्ली के दो करोड़ लोग मेरा परिवार हैं।

बता दें कि अरविंद केजरीवाल के वकीलों के पास आज तक का ही समय है, जब वो लिखित में दलील दे सकते है। ये भी उम्मीद जताई जा रही है कि आम आदमी पार्टी के चीफ की याचिका पर हाई कोर्ट की ओर से आदेश आज जारी हो सकता है। अदालत ने इस मामले में कहा कि कोर्ट सारे काम नहीं कर सकती।

ज्यादातर वक्त किताबें पढ़ने में बिता रहे हैं केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल की अपनी कोठरी में अपना ज्यादातर वक्त ध्यान लगाने, किताबें पढ़ने और योग करने में बिता रहे हैं। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एशिया की सबसे बड़ी जेल में बंद देश के पहले मौजूदा मुख्यमंत्री केजरीवाल को तिहाड़ की जेल संख्या दो के जनरल वार्ड संख्या तीन में 14 फुट लंबी और आठ फुट चौड़ी कोठरी में रखा गया है। उन्हें आबकारी नीति मामले में एक अदालत द्वारा न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद तिहाड़ जेल लाया गया था। जेल के सूत्रों के अनुसार, केजरीवाल दिन में ज्यादातर समय किताबें पढ़ते हैं और योग करते हैं तथा हर दिन दो बार ध्यान लगाते हैं। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, "वह हर दिन सुबह और शाम करीब डेढ़ घंटे योग करते हैं और ध्यान लगाते हैं।" जेल में उन्हें जो किताबें उपलब्ध करायी गयी है उनमें हिंदू महाकाव्य रामायण और महाभारत और 'हाऊ प्राइम मिनिस्टर्स डिसाइड' शामिल हैं। सूत्र ने बताया, "उन्हें अक्सर अपनी कोठरी में कुर्सी पर बैठकर इन किताबों को पढ़ते और कुछ लिखते हुए देखा जाता है। जेल के एक अधिकारी ने बताया कि केजरीवाल कैदियों के लिए बने पुस्तकालय में उपलब्ध किताबें भी पढ़ सकते हैं। लेकिन अभी उन्होंने कोई और किताब नहीं मांगी है। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री को उनकी कोठरी में एक टीवी उपलब्ध कराया गया है जिसमें 20 चैनल हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन वह टीवी देखना ज्यादा पसंद नहीं करते हैं। अधिकारियों ने बताया कि तिहाड़ जेल के अधिकारी कोठरी में लगाए गए दो सीसीटीवी कैमरों से 24 घंटे उन पर नजर रख सकते हैं। उनकी कोठरी के बाहर एक छोटी-सी जगह (लॉबी) है जहां वह चहलकदमी कर सकते हैं।

तानाशाह की बंदरघुड़की से डरने वाले नहीं : संजय सिंह

संजय सिंह ने खुली चुनौती देते हुए कहा कि देश के तानाशाह को अगर मेरी आवाज़ सुनाई दे रही है तो सुने हम आम आदमी पार्टी वाले आंदोलन की कोख से निकले हैं। हम तुम्हारी किसी बंदरघुड़की से डरने वाले नहीं हैं। कल से जब भी कोई पत्रकार या भाजपाई आपसे सवाल करे तो उनसे कहना पीएम के लिए भी समान कानून हैं। कल से देश के कई हिस्सों में मुकदमे दर्ज हो जाये, मोहाली से लेकर तमिलनाडु, कलकत्ता तक तो मोदी जी को पूछताछ में शामिल होना पड़ेगा। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह जेल से रिहा हो गए हैं। रिहाई के बाद जश्न का माहौल नजर आया। सांसद संजय सिंह जब जेल से रिहा हुए तो तिहाड़ के बाहर जबरदस्त नजारा देखने को मिला। जेल से बाहर आते ही बीजेपी पर हमलावर होते हुए कहा कि हमारे नेता 100प्रतिशत ईमानदार हैं और उनको दबाने, डराने, झुकाने, लाठी चलाने, मुकदमें लिखने और जेल भेजने की कोशिशें बंद करो। वो पूरी ईमानदारी और सच्चाई के साथ बाहर आएंगे। शायराना अंदाज में अपने भाषण की शुरुआत करते हुए कहा कि शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी ने फांसी से पहले अपने भाई को कहा था उन्हें ये फिक्र है, हरदम नया तर्जे जफ़ा(अत्याचार) क्या है हमें भी शौक है कि देखें सितम की इंतहा कहां है।

सोनिया गांधी ने पहली बार रास सांसद की शपथ ली

» अश्विनी वैष्णव समेत 14 अन्य भी बने राज्यसभा सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने आज राजस्थान से राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ लीं। इस दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और रॉबर्ट वाड्रा उनसे मिलने पहुंचे। सोनिया गांधी के अलावा केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव और 14 अन्य नेताओं ने राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ ली है। नए संसद भवन में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इन सभी नेताओं को शपथ दिलाई। जहां एक तरफ सोनिया गांधी ने राजस्थान से राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ ली है तो वहीं अश्विनी वैष्णव ने ओडिशा से राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ ली।

कांग्रेस नेता अजय माकन ने कर्नाटक से, भाजपा नेता आरपीएन सिंह उत्तर प्रदेश से, भाजपा सदस्य समिक भट्टाचार्य ने पश्चिम बंगाल से राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ ली है। वाईएसआरसीपी के गोला बाबू, मेधा रघुनाथ रेड्डी, येरुम वेंकट सुब्बा रेड्डी ने आंध्र प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों के रूप में शपथ ली है। शपथ समारोह के बाद इन सभी ने राज्यसभा के अध्यक्ष के साथ तस्वीर भी खिंचवाई।

गांधी परिवार के दो सदस्यों ने ही किया है राज्यसभा का प्रतिनिधित्व

सोनिया गांधी से पहले नेहरू-गांधी परिवार के सिर्फ दो सदस्य ही राज्यसभा सदस्य रहे हैं। दोनों ही महिलाएं थीं। इनमें से एक पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थी, जबकि दूसरी उमा नेहरू थी। दरअसल, उमा नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के चचेरे भाई की पत्नी थी। उमा का कार्यकाल 1962-1963 में रहा था। वहीं, 1964 में इंदिरा गांधी राज्यसभा पहुंची। इंदिरा गांधी 1964 से 1967 तक राज्यसभा सदस्य रहीं। दोनों नेताओं ने राज्यसभा में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया था। इंदिरा जब पहली बार प्रधानमंत्री बनीं, उस वक्त वह राज्यसभा की ही सदस्य थीं। 1967 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने रायबरेली सीट से चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। इसके बाद उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता छोड़ दी।

भाजपा ने लोकतांत्रिक मूल्यों का किया उपहास : अखिलेश

» बोले- महिलाओं, दलितों और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बढ़ा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष प यूपी क पूर्व सीएम अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला जारी है। अपने ताजा बयान में उन्होंने कहा है कि भाजपा सामाजिक न्याय के खिलाफ है। भाजपा राज में महिलाओं, दलितों और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बढ़ा है। भाजपा सरकार ने लोकतांत्रिक मूल्यों का बहुत उपहास किया है। पूंजीपति घराने फल-फूल रहे हैं, जबकि गरीब जनता की आवाज उठाना अपराध हो गया है। समाजवादी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता अगले दो माह में दो करोड़ पीडीए परिवारों से मिलकर सामाजिक न्याय और आरक्षण के बारे में चर्चा करेंगे।

इन परिवारों को आर्थिक व सामाजिक गैरबराबरी और इसके दुष्प्रभावों के बारे में भी बताया जाएगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने जहां पीड़ित-शोषित और वंचित समाज को सम्मान से जीने की राह दिखाई, वहीं डॉ. राममनोहर लोहिया ने अवसर की समानता के सिद्धांत से सामाजिक क्रांति की भी आधारशिला रखी।

मेरठ में तीसरी बार सपा ने प्रत्याशी बदला

समाजवादी पार्टी ने मेरठ लोकसभा सीट पर उम्मीदवार फिर बदल दिया है। मेरठ लोकसभा सीट पर सपा ने सबसे पहले भानु प्रताप सिंह को टिकट दिया था। उसके बाद अतुल प्रधान को प्रत्याशी बनाया गया। अब सूचना है कि सपा ने पूर्व विधायक योगेश वर्मा की पत्नी सुनीता वर्मा को प्रत्याशी बनाया है। जानकारी के अनुसार योगेश वर्मा सिंबल लेकर हेलीकॉप्टर से लखनऊ से मेरठ के लिए रवाना हो चुका है।

सपा नेता के बयान को लेकर आयोग ने रिपोर्ट मांगी

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की मौजूदगी में सपा कार्यालय में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में इत्र कारोबारी और सपा नेता मनोज दीक्षित ने सांसद सुब्रत पाठक के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए टुकड़े-टुकड़े करने की धमकी दी थी। जिला निर्वाचन अधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल के निर्देश पर गठित वीडियो सर्विलांस टीम ने वीडियो का संज्ञान लेकर सहायक निर्वाचन अधिकारी व सदर एसडीएम अविनाश गौतम को रिपोर्ट की। समाज कल्याण राज्यमंत्री व सदर विधायक असीम अरुण ने भी सपा नेता के खिलाफ तहरीर देते हुए कार्रवाई की मांग की है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्णय स्वीकार : प्रधान

अखिलेश के इस फैसले पर अतुल प्रधान ने प्रतिक्रिया दी है। सोशल मीडिया साइट पर अतुल ने लिखा- जो राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी का निर्णय है, वो स्वीकार है ! जल्द ही साथियों से बैठकर बात करेंगे पूर्व मेयर सुनीता वर्मा सपा की लोकसभा प्रत्याशी घोषित की गईं है।

बसपा ने 12 सीटों पर घोषित किए प्रत्याशी

» लखनऊ से सरवर मलिक लड़ेंगे चुनाव

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी ने लखनऊ लोकसभा सीट सहित 12 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने लखनऊ से सरवर मलिक को प्रत्याशी बनाया है। गाजियाबाद से नंद किशोर पुंडीर, अलीगढ़ से हितेंद्र कुमार उर्फ बंटी उपाध्याय और मथुरा से सुरेश सिंह को प्रत्याशी बनाया गया है। इसी तरह मैनपुरी सीट से गुलशन देव शाक्य, खीरी से अंशय कालरा रॉकीजी, उन्नाव से अशोक कुमार पांडेय को प्रत्याशी बनाया गया है।

मोहनलालगंज से राजेश कुमार उर्फ मनोज प्रधान को उम्मीदवार बनाया गया है। कन्नौज से इमरान बिन जफर, कौशाम्बी से शुभ नारायण, लालगंज से इंदू चौधरी और मिर्जापुर से मनीष त्रिपाठी को प्रत्याशी घोषित किया गया है।

भाजपा ने धनबल से की सरकार अस्थिर करने की साजिश : नेगी

» बोले- एफआईआर की जांच रिपोर्ट से हुआ खुलासा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

शिमला। बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि बालूगंज थाने में दर्ज एफआईआर की जांच रिपोर्ट से स्पष्ट हो गया है कि भाजपा ने धनबल और प्रलोभन पर प्रदेश सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की। कांग्रेस के छह और तीन निर्दलीय विधायकों पर करोड़ों रुपये खर्च किए। एक महीने से अधिक समय तक इन्हें बंधक बनाकर रखा गया, जो पूरी तरह अपराध बनता है। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, अध्यक्ष राजीव बिंदल और अन्य भाजपा नेताओं ने 27 फरवरी को राज्यसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी के पोलिंग एजेंट के साथ बदसलूकी करते हुए चुनाव में व्यवधान डाला। इस सबकी शिकायत कांग्रेस ने चुनाव आयोग से की है पर आयोग ने अभी तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं की है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने प्रदेश पर उपचुनाव थोप कर विकास की गति को प्रभावित किया है। कबायली क्षेत्रों में जहां भारी बर्फबारी की वजह से विकास कार्यों के निर्माण को बहुत कम समय मिलता है, वहां यह कार्य पूरी तरह रुक गया है। मंत्री ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार कोरोना के दौरान बंद पड़े मोदी सरकार के वेंटिलेटर पर नहीं है। नेता विपक्ष जयराम ठाकुर पर पलटवार करते हुए नेगी ने कहा कि सुक्खू सरकार खुली हवा में सांस लेने में सक्षम है।

ब्रांड एंबेसडर बनने के लिए मांगा पैसा, तब हिमाचल की बेटी नहीं थी कंगना

भाजपा प्रत्याशी कंगना रणौत से नेगी ने पूछा कि मंडी-कल्लू में आई प्राकृतिक आपदा और प्रदेश का ब्रांड एंबेसडर बनने के लिए पैसा मांगने के समय क्या वो हिमाचल की बेटी नहीं थी। वहीं प्रदेश कांग्रेस महिला अध्यक्ष जैनब चंदेल ने मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कंगना रणौत की आलोचना करते हुए कहा है कि वह अपनी चुनावी रैलियों में लोगों की भावनाओं से खेलने का असफल प्रयास कर रही हैं। अगर उन्हें लोगों के प्रति लगाव होता तो वो आपदा के समय लोगों के दुख दर्द में शामिल होतीं। आज जब चुनाव है तो वोट के लिए कंगना झाड़ू तक लगा रही हैं। कंगना को कांग्रेस के नेताओं को ज्ञान देने की आवश्यकता नहीं है।

रायबरेली से प्रियंका को लड़ाने की मांग तेज

» भाजपा लगा सकती है स्थानीय पर दांव

4पीएम न्यूज नेटवर्क

रायबरेली। गांधी परिवार के गढ़ रायबरेली में कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा को चुनावी समर में उतारने की मांग तेज हो गई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार हाईकमान से प्रियंका को चुनाव लड़ाने की हरी झंडी भी मिल चुकी है। सिर्फ औपचारिक घोषणा बाकी है। इस संकेत के बाद कांग्रेसी अंदर ही अंदर खुश हैं। उत्तर प्रदेश की इकलौती सीट को किसी भी हाल में कांग्रेस गंवाने के मूड में नहीं है। सोनिया के राज्यसभा में जाने के बाद यह सीट खाली है। हमेशा सबसे पहले प्रत्याशी मैदान में उतारने वाली कांग्रेस अबकी चुप्पी साधे है।

ग्राउंड रिपोर्ट की सच मानें तो लोगों में यही चर्चा है कि गांधी परिवार से प्रत्याशी उतरने के बाद ही कांग्रेस इस सीट को बचा सकती है। प्रियंका के मैदान में आने से प्रदेश में कांग्रेस की निश्चित ही संजीवनी मिलेगी, लेकिन भाजपा से प्रत्याशी घोषित नहीं होना कहीं न कहीं कांग्रेस को अखर रहा है। रायबरेली संसदीय सीट पर भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी तय करने के लिए एक दूसरे का मुंह देख रहे हैं। लोगों में चर्चा है कि यदि प्रियंका चुनाव में उतरती हैं तो भाजपा स्थानीय प्रत्याशी पर दांव लगा सकती है। दिनेश प्रताप सिंह पिछला चुनाव लड़ चुके हैं और विधायक डॉ. मनोज पांडेय भाजपा के लिए मजबूत स्तंभ बन गए हैं। हालांकि दोनों पार्टियों से प्रत्याशी का इंतजार है।

मुकेश मथुरा से उम्मीदवार सीतापुर से नकुल दुबे का नाम वापस

कांग्रेस मथुरा लोकसभा क्षेत्र से मुकेश धनगर को उम्मीदवार बनाया है, जबकि सीतापुर से नकुल दुबे का टिकट काट कर राकेश राठौर पर दांव लगाया गया है। रायबरेली और अमेठी को लेकर संशय बरकरार है। कांग्रेस को गठबंधन के तहत 17 सीटें मिली हैं, जिसमें 14 की घोषणा हो चुकी है। बुधवार को मथुरा से मुकेश धनगर को उम्मीदवार घोषित किया गया है। वह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य और प्रदेश महासचिव भी हैं। छात्र संगठन और युवा कांग्रेस में भी विभिन्न पदों पर रहे हैं। मथुरा में धनगर समाज में गहरी पैठ है। उनका नाम पहले भी पार्टी की प्रस्तावित सूची में था। लेकिन बाद में मुक्केबाज विजेंदर सिंह को उतारने की चर्चा शुरू हुई, लेकिन ऐन मौके पर कांग्रेस ने उनके नाम पर मुहर नहीं लगाई। इसी बीच वह भाजपा में चले गए।

भाजपा से डरी हुई है कांग्रेस : विजयन

» बोले- रोड शो से गायब रहे कांग्रेस और आईयूएमएल के झंडे

4पीएम न्यूज नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। केरल के वायनाड लोकसभा सीट पर सियासी हलचल शुरू हो गई है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कल वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल कर लिया है। नामांकन दाखिल करने से पहले उन्होंने वायनाड में रोड शो किया था। इसी रोड शो को लेकर अब केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने निशाना साधा है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि रोड शो के दौरान कांग्रेस अपना या इंडियन आईयूएमएल का झंडा नहीं दिखा सकी क्योंकि वह भाजपा से डरी हुई थी।

विजयन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के रुख से संकेत मिलता है कि वह इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के वोट तो चाहती है, लेकिन उनका झंडा नहीं। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि कांग्रेस उस स्तर तक गिर गई है, जहां वह सांप्रदायिक ताकतों से डरती है। बता दें कि राहुल गांधी वायनाड लोकसभा सीट से भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के. सुरेंद्रन और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की नेता एनी राजा के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। केरल में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान 26 अप्रैल को होगा। वायनाड लोकसभा सीट पर हमेशा ही सबकी निगाह होती है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

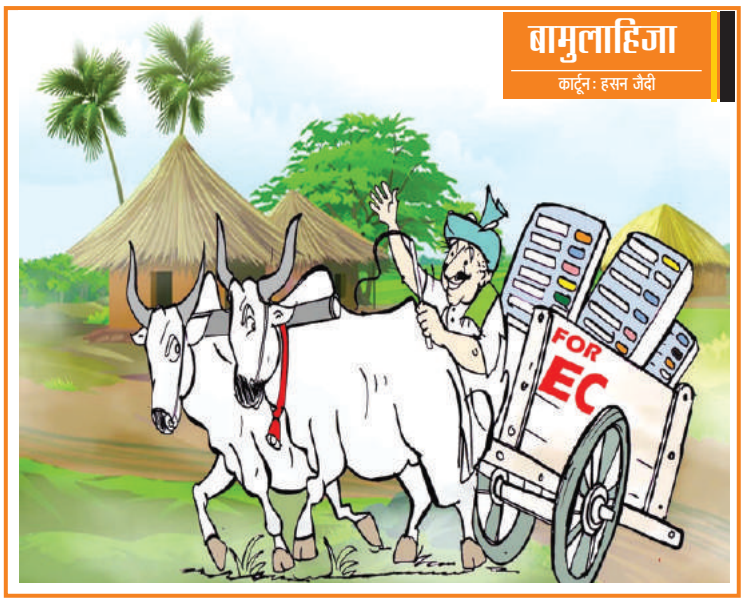

जननायकों की तरह उभरे, बदली सियासी तस्वीर

दक्षिण में एमजीआर, दिल्ली में केजरीवाल ने गढ़े नए मानदंड

» तमिलनाडु व आंध्र में सिने कलाकारों पर आमजन का उमड़ा प्यार

» उत्तर भारत में खांटी नेता ही बनते हैं जन-जन की पसंद

» तमिलनाडु की राजनीति में एमजीआर का रुतबा

गीताश्री

नई दिल्ली। भारत एक लोकतांत्रिक गणराज्य है। यहां पर जनता ही सर्वोपरि है। हर पांच साल बाद यहां चुनावों के आधार पर सरकारें चुनी जाती हैं। हर चुनाव में कोई न कोई नया नेता जननायक बनके जनता के दिलों पर राज करता है। दक्षिण के राज्यों में पचासों साल से देखा जा रही है वहा पर कोई न कोई बड़ा फिल्मी सितारा जनता के बीच पहले अपनी कला के दम पर पैठ बनाता है बाद वही अभिनेता नेता के रूप में उभरकर वहां की जनता के मनों पर राज करता है और सत्ता के शीर्ष पर काबिज होकर शासन चलाता है। वहीं उत्तर भारत में अभिनेता से ज्यादा खांटी नेता ही लोगों की पसंद हैं। जैसे उत्तर भारत में अटल, इंद्रा, राजीव गांधी, सोनिया, राहुल अखिलेश, मायवती व केजरीवाल जैसे नेता आम जन के दिलों पर राज करते हैं। साल 1967 में तमिलनाडु में हुए विधानसभा चुनाव की करेंगे। तब डीएमके ने कांग्रेस के शासन पर ब्रेक लगाया था। कहा जाता है कि अपने जमाने के पॉपुलर लीडर एमजीआर को गोली लगी थी जिसने चुनाव की दिशा तय कर दी थी।

1967 को भारतीय राजनीति के लिहाज से बदलाव के बयार वाले साल की तरह देखा जाता है। तमिलनाडु में इसी साल डीएमके ने कांग्रेस शासन पर ब्रेक लगाया था। राज्य के विधानसभा चुनाव में में पार्टी ने भारी जीत हासिल की थी। उसने विधानसभा की 234 सीटों में से 138 पर कब्जा जमाया था। कांग्रेस के खाते में महज 50 सीटें आई थीं। सी. एन. अन्नादुरई को सीएम पद की शपथ दिलाई गई। राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि 1965 की हिंदी विरोधी लहर पर छम्रक जीती थी। मगर, यह भी सच है कि छम्रक ने कस्बों और गांवों तक अपने संगठन का विस्तार कर लिया था। फिल्म इंडस्ट्री ने उसकी मदद की। उस दौरान के बड़े नेताओं में कामयाब पटकथा लेखक एम. करुणानिधि और तमिल सुपरस्टार एमजी रामचंद्रन (एमजीआर) पार्टी की मदद कर रहे थे। करल मूल के स्त्रक्रजन्म मलाया में टी बागान मजदूर के घर हुआ था। उनकी दीवानगी तमिलनाडु के गांवों और कस्बों तक फैली थी। उनकी इमेज पर्दे पर एक ऐसे हीरो की थी, जो शोषण करने वाली ताकतों से लड़ता था। वह बॉक्स ऑफिस पर बेहद सफल थे और महिलाओं के लोकप्रिय। आलम यह था कि पूरे मद्रास प्रांत में उनके फैन क्लब थे। इन क्लबों में राजनीति पर बहस होती थी। यूं तो एमजीआर द्रमुक को सपोर्ट तो करते थे लेकिन सीधे चुनावी राजनीति से दूर थे।

दिल्ली के सीएम की गिरफ्तारी का पड़ सकता है असर

लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया जारी हो, इसी बीच किसी राज्य के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी हो और उस पर राजनीति ना हो, ऐसा संभव ही नहीं है। दिल्ली के कथित आबकारी घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और भारत राष्ट्र समिति की नेता के कविता को प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने गिरफ्तार किया है। ईडी का दावा है कि इन गिरफ्तारियों के पीछे कोई राजनीति नहीं है। लेकिन राजनीति और लोक का एक बड़ा हिस्सा ऐसा है, जो इन गिरफ्तारियों के पीछे राजनीति देख रहा है। मोदी विरोधी आईएनडीआईए गठबंधन में चूंकि केजरीवाल भी शामिल हैं, लिहाजा गठबंधन के नेता इन गिरफ्तारियों को सिर्फ और सिर्फ राजनीतिक बताने-बनाने में जुट गए हैं। उनका एक ही सवाल है कि आखिर सिर्फ विपक्षी नेताओं को ही ईडी या सीबीआई निशाना क्यों बना रहे हैं? बार-बार ऐसा कहकर एक तरह से मोदी विरोधी मोर्चे के नेताओं की कोशिश यह है कि इन गिरफ्तारियों को भ्रष्टाचार की बजाय सिर्फ राजनीति का रंग दिया जाए और इसके जरिए मोदी विरोधी वोटों की फसल काट ली जाये लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसा संभव है? मोदी के उभार के बाद के दोनों संसदीय चुनावों में दिल्ली विधानसभा में अपार बहुमत रखने वाली आम आदमी पार्टी एक भी सीट हासिल नहीं कर पाई है। इस बार तो आम आदमी पार्टी ने उस कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया है, जिसके भ्रष्टाचार के विरोध में उसका समूचा अस्तित्व पनपता रहा।

एक घटना से बदल गई थी चुनावी दिशा

ऐसे में एक घटना ने चुनाव की दिशा एकदम तय कर दी। एमजीआर पर गोली चलाई गई और वह जख्मी हो गए। यह हमला उनके प्रतिद्वंद्वी स्टार एम. आर. राधा ने किया। यह उस वक्त हुआ जब प्रोड्यूसर वासु और राधा एमजीआर से मिलने उनके घर आए थे। इसी दौरान राधा ने गोली चलाई। हालांकि, बाद में कोर्ट में राधा ने कहा था कि पहले गोली स्त्रक्रकी ओर से चलाई गई थी। यह चुनाव एमजीआर ने हॉस्पिटल के बेड से लड़ा था। राधा की कांग्रेस नेता कामराज से नजदीकी उस वक्त किसी से छुपी नहीं थी। इस चुनाव के प्रचार में सूबे के गांव-गांव में घायल एमजीआर की तस्वीरें चस्पा कर दी गईं।डीएमके ने घायल एमजीआर की छवि के नाम पर लोगों से वोट मांगे। सिनेमा पर एमजीआरकी मसीहा वाली छवि का पार्टी को खूब फायदा हुआ। अपने नायक को जिताने के लिए बड़ी संख्या में लोग मतदान बूथ में पहुंचे। एमजीआर खुद भी चुनाव मैदान में थे और बड़े अंतर से जीते। पार्टी पूरे राज्य में छा गई।

जुझारू नेता की छवि के रूप में छाए केजरीवाल

2013 अन्ना आंदोलन से जननायक के रूप में उभरे अरविंद केजरीवाल ने अपनी नई तरह की राजनीति के चलते जनता के बीच अच्छी खासी लोकप्रियता हासिल की। उसी का लाभ यह मिला कि उनके द्वारा बनाई गई आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली के विधान सभा में बहुमत हासिल करके अपनी सरकार बनाई और खुद सीएम बने। वहीं अपने कामों के दम पर उनकी पार्टी का ग्राफ बढ़ता गया और इसी का नतीजा हुआ कि आप ने पंजाब में सरकार बनाया, साथ ही कई राज्यों में पार्टी का खाता खोला और उसी का लाभ यह हुआ कि पार्टी आज राष्ट्रीय दर्जा हासिल कर बड़े-बड़े सियासी सूरमाओं को डरा रही है। आने वाले समय में आप की ताकत और बढ़ेगी।

दिल्ली में मिल सकती हैं सहानुभूति

दिल्ली में लोकसभा की सात सीटें हैं, जिनमें तीन सीटों पर जहां कांग्रेस चुनाव लड़ रही है, वहीं आम आदमी पार्टी चार सीटों पर मैदान में है। पिछले दो आम चुनावों में आम आदमी पार्टी की स्थिति तीसरे नंबर की पार्टी बनकर रह गई थी। गठबंधन करके कांग्रेस और आम आदमी पार्टी-दोनों ने उम्मीद लगा रखी है कि दो आम चुनावों से जारी दिल्ली में उनका सूखा शायद कम हो जाए। केजरीवाल की गिरफ्तारी के पहले तक ऐसा नहीं लग रहा था कि विगत के दो चुनावों से इतर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का इतिहास इस बार इतर होने जा रहा है। लेकिन केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद दोनों पार्टियों को सहानुभूति लहर उठने की उम्मीद है। उन्हें लगता है कि सहानुभूति की वजह से इस बार भारतीय जनता पार्टी के किले में सेंध लग सकती है।

संजय की रिहाई से आप की ताकत बढ़ी

शराब घोटाले में केजरीवाल के पहले उनके दो स्तंभों पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह गिरफ्तार हो चुके हैं। हालांकि संजय सिंह को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है। वह सशर्त रिहा हो गए है। उनके बाहर आने से आप को ताकत मिलेगी। चूंकि अभी केजरीवाल ईडी की हिरासत में हैं। उन्होंने अभी सीएम के पद से इस्तीफा नहीं दिया है। वहीं उनकी पार्टी ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल सीएम बने रहेंगे और शासन चलाते रहेंगे। ऐसे में माना जा रही रहा है कि संजय सिंह की वापसी के बाद आप मोदी व बीजेपी सरकार पर और हमलावर हो जाएगी। गौरतलब हो कि दिल्ली शराब नीति घोटाले में दिल्ली से तीसरी बड़ी गिरफ्तारी केजरीवाल की हुई है। इसी केस में भारत राष्ट्र समिति की नेता और पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता भी गिरफ्तार हैं। केजरीवाल को गिरफ्तार करने से पहले ईडी ने नौ बार समन देकर उन्हें बुलाया। लेकिन हर बार वे ईडी के सामने जाने से बचते रहे। केजरीवाल का राजनीतिक अनुभव भले ही कम हो, लेकिन उनकी पैंतरेबाजी से साफ है कि राजनीति करने में वे पुराने से पुराने नेताओं पर भारी हैं। समन को अनदेखा करके एक तरह से वे इस मुद्दे को जिंदा रखने और इसके जरिए अपने लिए वोटरों की सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करते रहे। गिरफ्तारी के बावजूद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा ना देकर भी केजरीवाल राजनीति कर रहे हैं। ईडी की हिरासत से ही वे दिल्ली के लिए दो आदेश जारी कर चुके हैं। पहले में जहां उन्होंने दिल्ली की सीवर व्यवस्था दुरूस्त करने का आदेश दिया है, वहीं उनका दूसरा आदेश स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त रखना है। दिल्ली में विपक्षी भूमिका निभा रही भारतीय जनता पार्टी इस पर हंगामा कर रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से केजरीवाल को हटाने की मांग वाली याचिका दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल की गई। जिसे हाईकोर्ट ठुकरा चुका है। इसके बावजूद नैतिकता के आधार पर भाजपा केजरीवाल से इस्तीफे की मांग कर रही है। लेकिन केजरीवाल के खेमे के तर्क है कि संविधान में कहीं नहीं लिखा है कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति को अपने पद से इस्तीफा दे ही देना होगा। इस तर्क के सहारे केजरीवाल मुख्यमंत्री के पद पर जमे हुए हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

एकतरफा न दिखे देश की चुनावी प्रक्रिया!

इस समय देश में चुनावी प्रक्रिया चल रही है। पहले चरण के नामाकंन हो चुके हैं। दसरे राउंड के लिए चुनावी पर्चे दाखिल होना शुरू हो गए हैं। सारे सियासी दल तैयारी में जुट गए हैं। इस बीच सत्ता में बैठी बीजेपी अपने प्रतिद्वंद्वियों को सरकारी एंजेसियों द्वारा कड़ी कार्रवाई करा कर जेल में डाल रही है। इस घटनाक्रम का विदेशों तक में भारत सरकार की आलोचना हो रही। आलोचना इस बात की हो रही है कि चुनावों में धांधली न हो जाए। भारत एक लोकतांत्रिक देश है यहां पर हर किसी को चुनाव लड़ने का हक है। ऐसे में अगर विपक्ष के नेता जेल चले जाएंगे तो एक ही पार्टी या व्यक्ति की सरकार बन गई तो देश के लोकतंत्र व संविधान पर सवाल उठ जाएंगे। ऐसे में निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी होगी ताकि आम जन का विश्वास कायम रहे।

दरअसल, हाल के दिनों में, अमेरिका और जर्मनी की सरकारों के साथ ही संयुक्त राष्ट्र महासचिव के कार्यालय ने भी भारत में चुनावों की प्रक्रिया के दौरान हुई दो घटनाओं पर चिंता जताई है। इनमें से एक थी आबकारी नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और दूसरी थी कांग्रेस को आयकर के नोटिस और पार्टी के खातों को फ्रीज कर देना। उन्होंने इन दोनों ही मुद्दों के समाधान के लिए निष्पक्ष, पारदर्शी और सामयिक कानूनी प्रक्रिया के पालन का आह्वान किया है। यकीनन, यह टिप्पणी भारत के आंतरिक मामलों में अनुचित हस्तक्षेप है और मोदी सरकार ने अमेरिका और जर्मनी के दूतों को बुलाकर अपना विरोध सही तरीके से दर्ज कराया। फिर भी, हमें एक बार ठहरकर इस पर विचार करना चाहिए कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में आज हमारी संस्थाओं पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं? अहम सवाल यह है कि आज हम उस बिंदु पर क्यों पहुंच गए हैं, जहां पश्चिम के देशों और यूएन को भी लगता है कि वे हमारी आलोचना करने के लिए वैसे ही स्वतंत्र हैं, जैसे वे नियमित रूप से चीन और रूस जैसे निरंकुश देशों या पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे हमारे उन पड़ोसियों की आलोचना करते आ रहे थे, जो बहुत पहले ही लोकतंत्र कहलाने का अधिकार गंवा चुके थे? भारत- अपने विशाल आकार, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण भौगोलिक स्थिति और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ- रूस-चीन धुरी के समक्ष स्थिरता लाने वाली शक्ति के रूप में उभरने की क्षमता रखता है। चुनाव न केवल निष्पक्ष होने चाहिए बल्कि निष्पक्ष दिखने भी चाहिए। लोकतांत्रिक चुनावों का महत्व ही समान अवसर प्रदान करने में निहित है। हमें सावधान रहना चाहिए कि कहीं हम बांग्लादेश और पाकिस्तान की डगर पर ना चल पड़ें, जहां प्रमुख विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया जाता है और चुनावी लड़ाई को एकतरफा बना दिया जाता है।

संजय

> भारत एक लोकतांत्रिक देश है यहां पर हर किसी को चुनाव लड़ने का हक है। ऐसे में अगर विपक्ष के नेता जेल चले जाएंगे तो एक ही पार्टी या व्यक्ति की सरकार बन गई तो देश के लोकतंत्र व संविधान पर सवाल उठ जाएंगे। ऐसे में निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी होगी ताकि आम जन का विश्वास कायम रहे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पलटूरामों को सबक सिखाने का है वक्त

विश्वनाथ सचदेव

गुजराती के प्रतिष्ठित कवि हैं वे। उस दिन टेलीफोन पर क्रिकेट मैच देखते हुए अचानक बोले, 'हम ऐसा क्यों नहीं कर सकते हैं?' क्या नहीं कर सकते हैं हम, जब उनसे यह पूछा तो उन्होंने कहा, 'वही, जो क्रिकेट के दर्शक कर रहे हैं।' फिर उन्होंने जैसे समझाते हुए कहा था, 'हार्दिक गुजरात से खेलता था, वह पाला बदलकर मुंबई की टीम का कप्तान बन गया है। दर्शक इस पलटूराम को स्वीकार नहीं कर रहे, इसलिए उसके खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। हम अपने राजनेताओं के साथ ऐसा क्यों नहीं कर सकते? हमें भी उनका बहिष्कार कर देना चाहिए।' और फिर हम हंस दिये थे। यह सवाल सिर्फ हंसने वाला नहीं था। चुनाव का मौसम चल रहा है। आये दिन नेताओं के पाला बदलने की खबरें आ रही हैं।

फलाना नेता फलाना दल छोड़कर फलाने दल में चला गया है, फलाना नेता घर-वापसी कर गया है, फलाने नेता ने कल रात दल न बदलने की कसम खायी थी, आज सवेरे वह फिर दल बदलू बन गया है, अखबारों में इस तरह के शीर्षक आम बात हो गये हैं। टी.वी. चैनलों पर चटकारे ले-लेकर इस आशय की खबरों को सुनाया-दिखाया जा रहा है। न दल बदलुओं को अपनी कथनी-करनी पर शर्म आ रही है और न ही राजनीतिक दलों को कोई संकोच हो रहा है उनका स्वागत करने में जिन्हें कल तक वह भ्रष्टाचारी, बेईमान, धोखेबाज जैसे विशेषणों से नवाजा करते थे। मेरा गुजराती कवि मित्र ऐसे ही लोगों की बात कर रहा था, पर कौन सुन रहा है उसकी बात? लेकिन इस आवाज को सुना जाना जरूरी है। खास तौर पर जनतांत्रिक व्यवस्था में जहां मतदाता उम्मीदवार की नीतियों, बातों पर भरोसा करके उसे अपना प्रतिनिधि चुनता है। ऐसे निर्वाचित प्रतिनिधियों का कोई अधिकार नहीं बनता कि वे अपने मतदाता के साथ इस तरह की धोखेबाजी करें। हां, ऐसे दलबदलुओं को धोखेबाज ही कहा जा सकता है जिनके लिए येन-केन प्रकारेण सत्ता में हिस्सेदारी करना ही राजनीति का उद्देश्य है। दुर्भाग्य यह है कि इस धोखेबाजी को हमारी राजनीति में ही नहीं, हमारे जीवन में भी स्वीकार कर लिया गया है!

जनता की, जनता के लिए, और जनता द्वारा चुनी गयी सरकार वाली व्यवस्था में यह मानकर चला जाता है कि चुने हुए प्रतिनिधि कुछ नीतियों-

कार्यक्रमों के आधार पर जनता के हित में काम करेंगे। मतदाता भी कुछ घोषित नीतियों और आश्वासनों के आधार पर अपना प्रतिनिधि चुनते हैं और यह मानकर चला जाता है कि सत्ता में होने के अपने कार्य-काल में चुने हुए नेता और राजनीतिक दलगत उन नीतियों और आश्वासनों के अनुरूप कार्य करेंगे। दलगत राजनीति वाली जनतांत्रिक व्यवस्था में कुछ नीतियों के आधार पर दलों का गठन होता है और यह अपेक्षा होती है कि राजनीतिक दल अपनी घोषित नीतियों के प्रति ईमानदार रहेंगे। पर अक्सर ऐसा होता नहीं। पिछले 75 सालों में हमने राजनीतिक दलों और राजनेताओं की सिद्धांतहीन और अनैतिक राजनीति के ढेरों उदाहरण देखे हैं। इस समय देश में 18वीं लोकसभा की चुनाव प्रक्रिया चल रही है। राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों के चयन में लगे हैं और राजनेता उन राजनीतिक दलों का दामन पकड़ने की कोशिश में हैं जो उन्हें जीत की कच्ची-पक्की गारंटी दे सकते हैं। उम्मीदवारों के चयन का आधार सिर्फ उनके जीतने की संभावनाएं ही हैं। यह बात कोई मायने नहीं रखती कि वे कैसे जीतते हैं- बस जीतना चाहिए। जनतांत्रिक व्यवस्था सिर्फ एक प्रणाली नहीं है, एक जीता-जागता विचार है यह प्रणाली। बहुमत के आधार पर घोषित नीतियों के अनुसार शासन चलाने के लिए व्यक्तियों-दलों को चुना जाता है। उम्मीद की जाती है कि उन नीतियों का पालन होगा। इस प्रणाली में मतदाता सिर्फ अपना प्रतिनिधि ही नहीं चुनता, निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन के संदर्भ में अपने विचार भी स्पष्ट करता है। मतदाता के इन विचारों का सम्मान होना ही चाहिए। पर, इस संदर्भ में हम जो कुछ अपने देश में होता देख रहे हैं, वह कुल मिलाकर निराश ही करता है। पिछले 75 सालों में हमने बार-बार इस बात को देखा है कि चुने जाने के बाद राजनेता और राजनीतिक दल सिर्फ आश्वासनों को ही नहीं भूलते, उन नीतियों-मूल्यों को भी याद रखने की आवश्यकता नहीं समझते जिनकी दुहाई देकर वे सत्ता में पहुंचते हैं।

चुने जाने के लिए दल बदलना ऐसे ही सत्ताकामी सोच का उदाहरण है। ऐसा नहीं है कि इस विसंगति की ओर कभी, या किसी का ध्यान नहीं गया। ध्यान गया था। इसीलिए कुछ ऐसी व्यवस्थाएं भी बनायी गयीं जो दल-बदल से उत्पन्न अराजक स्थिति को कुछ संवारे। लगभग चालीस साल पहले वर्ष 1985 में देश में दल-बदल विरोधी कानून भी बना था।

मंडी में कंगना की दावेदारी के किंतु-परंतु

दाताओं को रिझाने, फिल्मी हस्तियों से उनके भावनात्मक जुड़ाव को भुनाने को सभी राजनीतिक दल तत्पर रहते हैं। अपनी पार्टी को विजयी बनाने, सत्ता हासिल करने की जंग में उम्मीदवार का अनुभव, योग्यता, जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता खास मायने नहीं रखते। बहरहाल, जिस फिल्म अभिनेत्री की इन दिनों हिमाचल और देशभर में चर्चा है, वे हैं कंगना रनौत।

राजेंद्र राजन

लोकसभा हो या विधानसभा, फिल्मी सितारों की लोकप्रियता को बैसाखी बनाकर चुनाव जीतने की परम्परा नयी नहीं है। राजेश खन्न, अमिताभ बच्चन, शत्रुघ्न सिन्हा, गोविन्दा से लेकर हेमा मालिनी जैसे नामचीन फिल्मी कलाकारों की लम्बी फेहरिस्त है जिन्हें राजनीतिक दलों ने सिर-आंखों पर बिठाया। कुछ जीते तो कुछ हारे। मतदाताओं को रिझाने, फिल्मी हस्तियों से उनके भावनात्मक जुड़ाव को भुनाने को सभी राजनीतिक दल तत्पर रहते हैं। अपनी पार्टी को विजयी बनाने, सत्ता हासिल करने की जंग में उम्मीदवार का अनुभव, योग्यता, जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता खास मायने नहीं रखते। बहरहाल, जिस फिल्म अभिनेत्री की इन दिनों हिमाचल और देशभर में चर्चा है, वे हैं कंगना रनौत।

जिन्हें भाजपा ने मंडी से लोकसभा चुनाव के लिये उम्मीदवारी सौंपी है। लम्बे वक्त से विवादों और कंगना का गहरा नाता रहा है। वे निश्चित रूप से एक कामयाब एक्ट्रेस हैं। अपने अभिनय के जरिये करोड़ों सिने प्रेमियों के दिलों पर राज करती हैं। लेकिन अनेक नेताओं की तरह कई बार बोलने में अतिरेक की प्रवृत्ति रही है। वे अपने उस बयान को लेकर ट्रोल भी हुई थीं जिसमें उन्होंने कहा था कि 2014 के बाद ही देश का सही मायने में विकास हुआ है। अकसर नेताओं द्वारा सियासी फायदे यानी चुनावी टिकट हासिल करने के लिये ऐसी बयानबाजी होती रही है। विगत में कंगना रनौत जब पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे से भिड़ गयीं तो उनके पक्ष या विपक्ष में देशभर में जन आंदोलन छिड़ गये थे। उन्हें मोदी सरकार ने सुरक्षा प्रदान की। यह नैरेटिव उन्हीं दिनों रचा जा चुका था जब वे दक्षिणपंथी विचारधारा को आत्मसात करने की तैयारी कर रही थीं। अपने सियासी 'प्रबन्धन' में उन्हें एक तरह से सफल ही कहा जा सकता है। हालिया प्रकरण है, टिकट घोषणा के पहले ही रोज कंगना का कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत से विवाद हो गया। दरअसल, अभद्र भाषा के प्रयोग में विपक्षी दलों के कुछ नेता भी पीछे नहीं हैं। इसका ज्वलन्त उदाहरण कंगना पर की गयी वह टिप्पणी है जिसमें मंडी का भाव पूछा गया था।

चुनाव आयोग लाख दावे करे, लेकिन वह नेताओं के तीखे, आपत्तिजनक बयानों का कड़ा संज्ञान लेने में प्रो एक्टिव मोड में नहीं माना जा सकता है। लोकसभा चुनाव जीतने की रणनीति की पृष्ठभूमि में भाजपा की निगाह महिला मतदाताओं पर खासतौर पर टिकी है क्योंकि वह 400 का आंकड़ा पार करने के लिए अपनी कमान में मौजूद सभी तीरों का प्रयोग कर लेना चाहती है। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में महिला मतदाताओं की मौजूदगी काफी उत्साहवर्धक थी। विगत 5 सालों में सम्पन्न 23 राज्यों के विधानसभा चुनावों में से 18 में महिला मतदाता पुरुषों से आगे थीं। कांग्रेस या विपक्षी दल इस लोकसभा चुनाव में महिलाओं को टिकट देने में संकीर्णता की शिकार हैं तो इस मामले में भाजपा की दरियादिली कही जा सकती है।

कंगना रनौत का चयन भी इसी रणनीति का हिस्सा है। अपने तेवरों के लिये वे चर्चित रही है। अपने फिल्मी कैरियर की शुरुआत कंगना ने 18 साल की उम्र में 'गैंगस्टर' से की थी। रानी झांसी का किरदार 'मणिकर्णिका' में अभिनीत किया तो जयललिता की बायोपिक में भी सराही गयीं। 'एमरजेंसी' फिल्म में वे इंदिरा गांधी की भूमिका में नजर आयेंगी। लब्बोलुआब यह कि सशक्त महिला प्रधान फिल्मों में वे जिन जननायिकाओं की भूमिकाओं में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी हैं, उनकी बदौलत वे मंडी सीट पर आम लोगों से खुद को जुड़ा हुआ देखना चाहती हैं। पर यह कांटों भरी डगर है। सिनेमा और राजनीति की कोई जुगलबन्दी नहीं है। दरअसल, हिमाचल में कांग्रेस सरकार व पार्टी में जारी उठापठक के चलते कंगना अपनी सफलता को लेकर उम्मीद जता रही हैं। जिसकी बानगी उनके मुकाबले उतरी कांग्रेसी प्रत्याशी की बेमन से चुनाव लड़ने की कवायद में नजर आती है। बहरहाल, जन आकांक्षाओं, जन अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिये कंगना को एक 'मैच्योर' राजनेता की छवि को अर्जित करना होगा।

एक चैनल को दिये गये साक्षात्कार में कंगना ने कहा है कि तत्कालीन कुछ नेताओं ने सुभाष चंद्र बोस को 1945 में गायब करवा दिया था। यह भी कि आईएनए के फौजियों व स्वतन्त्रता सेनानियों को भूखे रहकर जान गंवानी पड़ी थी। दरअसल, बयान देने से पहले किसी भी नेता के पास अच्छे सलाहकार होने जरूरी हैं। इतिहास के तथ्यों को कभी बदला नहीं जा सकता। यह प्रश्न भी विचारणीय है कि फिल्मों से जितने भी सितारे राजनीति में जीतकर संसद में पहुंचे हैं उनकी विकास करने व जनसमस्याओं के निवारण में कैसी भूमिका रही है। संसद में उन्होंने क्या-क्या मुद्दे उठाए? विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने में ज्यादातर का योगदान खास तो नहीं रहा है। कंगना की दावेदारी को लेकर सार्वजनिक विमर्श में विपक्षी दल सवाल उठाते रहे हैं कि यदि कंगना लोकसभा सीट पर चुनाव जीतती भी हैं तो क्या वे मंडी का जनप्रतिनिधि होने के दायित्व को निभा पाएंगी? वे स्थानीय जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के बजाय कहीं मायानगरी के सम्मोहन में बंधकर तो नहीं रह जाएंगी?

ब्राउन ब्रेड

ज्यादातर लोगों को लगता है कि व्हाइट ब्रेड से ज्यादा हेल्दी तो ब्राउन ब्रेड होता है, लेकिन आपको बता दें कि ये ब्राउन ब्रेड भी व्हाइट ब्रेड की तरह ही अनहेल्दी है, क्योंकि इसमें कलर का उपयोग किया जाता है न कि हेल्दी इंग्रीडिएंट का। एक और कारण से ब्राउन ब्रेड खाना सही नहीं है वह ये है कि इसमें पौष्टिकता की कमी होती है। क्योंकि इसमें फाइबर, विटामिन और मिनरल नहीं होता है इसलिए इसके जगह पर ज्वार, बाजरा और रागी खाना सेहत के लिए अच्छा होता है।

डाइट से आउट करें ये अनहेल्दी फूड्स

सेहतमंद रहने के लिए लोग अक्सर हेल्दी डाइट और फूड्स खाना प्रिफर करते हैं। यही वजह है कि लोग अपनी डाइट में कई हेल्दी फूड्स और ड्रिंक्स शामिल करते हैं लेकिन आपको हेल्दी लगने वाले कई फूड्स सेहत के लिए काफी हानिकारक होते हैं। हर व्यक्ति चाहता है कि वह हेल्दी रहे और बीमारियां उसके आसपास भी न भटके। इसके लिए वे हेल्दी से हेल्दी चीजों का सेवन करते हैं। शरीर को विटामिन, प्रोटीन, मिनरल्स जैसे पोषक तत्वों की जरूरत होती है और इसकी पूर्ति के लिए हम कई हेल्दी फूड्स और ड्रिंक्स का सेवन करते हैं। मार्केट में कई हेल्दी फूड्स मौजूद हैं, जो दावा करते हैं कि वे आपके लिए हेल्दी हैं लेकिन असल में ये फूड्स आपकी सेहत बिगाड़ सकते हैं। अगर आप भी इन फूड्स का सेवन करते हैं, तो आपकी सेहत बिगड़ सकती हैं।

ब्रेकफास्ट सीरियल्स

अक्सर आपने सुबह के नाश्ते में ब्रेकफास्ट सीरियल्स जरूर खाएं होंगे, क्योंकि ये हेल्दी होते हैं। लेकिन आपको बता दें ये हेल्दी दिखने वाले ब्रेकफास्ट सीरियल असल में बहुत ज्यादा अनहेल्दी होते हैं। ये सिर्फ शुगर से भरे होते हैं। हेल्दी और एनर्जेटिक रहने के लिए दिन की शुरुआत अच्छे और हेल्दी ब्रेकफास्ट से होनी चाहिए। लेकिन सभी ब्रेकफास्ट डाइजेस्ट होने में आसान नहीं है और आपकी हेल्थ के लिए भी काफी फायदेमंद नहीं हो सकते हैं। लेकिन कई ऐसे ब्रेकफास्ट भी हैं जो हेल्दी होते हैं और इसे लोगों द्वारा खूब पसंद किया गया है। इसमें आपको ओट्स और कॉर्न फ्लेक्स जैसे सीरियल्स का ब्लेंड मिल रहा है।

डाइट खाखरा

आजकल डाइट खाखरा मार्केट में बहुत मिलने लगा है और लोग इसे बड़े चाव से शाम की चाय से साथ खाते हैं, लेकिन आपको बता दें कि डाइट खाखरा में 'डाइट' जैसा कुछ नहीं है। ये फाइड स्नैक्स बहुत सारी कैलोरीज से भरे होते हैं।

डाइजेस्टिव बिस्किट

ऐसे लोग जो खराब डाइजेशन से जूझ रहे हैं, उन्हें डाइजेस्टिव बिस्किट खाने की सलाह दी जाती है। बाजार में डाइजेस्टिव बिस्किट आसानी से मिल जाते हैं। डाइजेस्टिव नाम से ये मत समझिए कि ये बिस्किट आपके लिए हेल्दी होंगे। दरअसल, डाइजेस्टिव बिस्किट मैदा और शुगर से भरे हुए होते हैं। इनमें बहुत ज्यादा कैलोरी होती है। अगर आप रोजाना इनका सेवन करते हैं, जो आपका वजन बहुत आसानी से बढ़ सकता है। भ्रामक दावे और जानकारी के भाव की वजह से ज्यादातर लोग लुभावने विज्ञापनों के चक्कर में पड़ जाते हैं। दरअसल, इस तरह के बिस्किट्स को बनाने में कई तरह के केमिकल और प्रिजर्वेटिव्स का इस्तेमाल किया जाता है। लगातार इस तरह के बिस्किट का सेवन सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है।

बच्चों की हेल्दी ड्रिंक्स

ज्यादातर लोग बच्चों को दूध में पाउडर डालकर देते हैं ताकि बच्चा दूध पिएं, लेकिन आपको बता दें कि ये विटामिन और DHA युक्त कहे जाने वाले हेल्दी पाउडर बहुत ही अनहेल्दी और शुगर से भरे हुए हैं। इसके अलावा बच्चों में थकान दूर करने और एक्टिव बनाने के लिए मार्केट में एनर्जी ड्रिंक मिलते हैं। जिन्हें पीने से बच्चा भले ही एक्टिव नजर आए। लेकिन दूसरी बड़ी बीमारियां जरूर घेर लेती हैं। इन हेल्थ ड्रिंक में शुगर की अच्छी खासी मात्रा होती है जिससे बच्चों में मोटापा, दांतों में सड़न, नींद की कमी जैसी शिकायत होने लगती है। एनर्जी ड्रिंक में पड़ी शुगर टेस्ट को तो बढ़ा देती है। लेकिन स्टडी में सामने आया है कि बच्चों को ज्यादा मात्रा में चीनी खिलाने से बच्चों में सीखने-समझने और याद रखने की क्षमता पर निगेटिव असर पड़ता है।

हंसना मना है

दिल की बात दिल में मत रखना, जो पसंद हो उसे आईएलयू कहना, अगर वो गुस्से में आ जाये तो डरना मत, राखी निकालना और कहना, प्यारी बहना मिलती रहना।

इतनी हसीन है आप, खुद को दुनिया की नजरों से बचाया करो! आंखों में काजल लगाना काफी नहीं! गले में लिंबु-मिर्ची भी लटकाया करो।

वाईफ- अगर मैं माउंट एवरेस्ट पर चढ़ूं तो आप मुझे क्या दोगे? हसबैंड- पगली, इसमें पूछने वाली क्या बात है। धक्का।

मक्खी गंजे के सर पर बैठी थी, दुसरी ने कहा वाह.! क्या घर मिला है तुझे। पहली मक्खी : नहीं रे, अभी तो सिर्फ प्लॉट खरीदा है..!

अपना बच्चा रोये तो दिल में दर्द होता है, और दुसरे का रोये तो सिर में। अपनी बीवी रोये तो सिर में दर्द होता है, और दुसरे की रोये तो दिल में।

मेरी बात गौर से सुनना, अगर कोई आपको पागल कहे तो दुखी मत होना, अफ़सोस भी मत करना और रोना भी मत, बस आराम से चेयर पर बैठ कर सोचना की, इसे पता कैसे चला।

कहानी | दो मछलियां और एक मेंढक

एक तालाब में दो मछलियां और एक मेंढक रहा करते थे। एक मछली का नाम शतबुद्धि और दूसरी का सहस्त्रबुद्धि था। वहीं, मेंढक का नाम एकबुद्धि था। मछलियों को अपनी बुद्धि पर बड़ा घमंड था, लेकिन मेंढक अपनी बुद्धि पर कभी घमंड नहीं करता था। फिर भी तीनों आपस में बहुत अच्छे दोस्त थे। तीनों इकट्ठे तालाब में एकसाथ घूमा करते थे। एक दिन नदी के किनारे से मछुआरे जा रहे थे। उन्होंने देखा कि तालाब मछलियों में भरा हुआ है। मछुआरों ने कहा, हम कल सुबह यहां आएंगे और बहुत सारी मछलियां पकड़कर ले जाएंगे। मेंढक ने मछुआरों की सारी बातें सुन ली थी। उसने शतबुद्धि और सहस्त्रबुद्धि को सारी बात बताई। मेंढक ने कहा, उन्हें अपनी जान बचाने के लिए कुछ करना चाहिए। दोनों मछलियां कहने लगीं, हम मछुआरों के डर से अपने पूर्वजों की जगह छोड़कर नहीं जा सकते हैं। हमें डरने की जरूरत नहीं है, हमारे पास इतनी बुद्धि है कि हम अपना बचाव कर सकती हैं। वहीं मेंढक ने कहा, मुझे पास में मौजूद एक तालाब के बारे में पता है, जो इसी तालाब से जुड़ा है। उसने अन्य जीवों को भी साथ चलने को कहा, लेकिन कोई भी मेंढक के साथ जाने को तैयार नहीं था, क्योंकि सभी को शतबुद्धि और सहस्त्रबुद्धि पर भरोसा था कि वो उन सबकी जान बचा लेंगी। मेंढक ने कहा, तुम सब मेरे साथ चलो। इस पर शतबुद्धि और सहस्त्रबुद्धि ने कहा, उसे तालाब में छिपने की एक जगह पता है। मेंढक ने कहा, मछुआरों के पास बड़ा जाल है। तुम उनसे नहीं बच सकते हो, लेकिन मछलियों को अपनी बुद्धि पर बहुत गुमान था। मेंढक उसी रात अपनी पत्नी के साथ दूसरे तालाब में चला गया। शतबुद्धि और सहस्त्रबुद्धि ने एकबुद्धि का मजाक उड़ाया। अब अगली सुबह मछुआरे अपना जाल लेकर वहां आ पहुंचे। उन्होंने तालाब में जाल डाला। तालाब के सभी जीव अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे, लेकिन मछुआरों के पास बड़ा जाल था, जिस कारण कोई भी बचकर नहीं जा सका। जाल में बहुत सारी मछलियां पकड़ी गईं। शतबुद्धि और सहस्त्रबुद्धि ने भी बहुत बचने की कोशिश की, लेकिन उन्हें भी मछुआरों ने पकड़ ही लिया। जब उन्हें तालाब से बाहर लाया गया, तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। शतबुद्धि और सहस्त्रबुद्धि का आकार सबसे बड़ा था, इसलिए, मछुआरों ने उन्हें लग रखा था। उन्होंने बाकी मछलियों को एक टोकरी में डाला, जबकि शतबुद्धि और सहस्त्रबुद्धि को कंधे पर उठाकर चल दिए। जब वह दूसरे तालाब के सामने पहुंचे, तो मेंढक की नजर इन दोनों पर पड़ी। उसे अपने मित्रों की यह हालत देख बड़ा दुख हुआ। उसने अपनी पत्नी से कहा कि काश इन दोनों ने मेरी बात मान ली होती, तो आज ये जिंदा होती।

7 अंतर खोजें

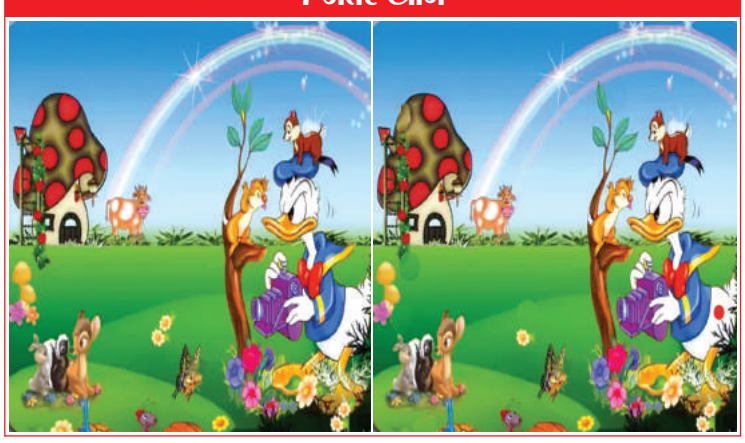

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

धनार्जन सुगम होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

वृषभ

वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन

शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क

लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

कन्या

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

तुला

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृश्चिक

नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। समय का लाभ लें।

धनु

बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी।

मकर

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है।

कुम्भ

कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मीन

धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी।

आलिया के सपोर्ट में आये रणदीप हुड्डा, कंगना को सुनाई खरी-खरी

रणदीप हुड्डा इस समय अपनी फिल्म वीर सावरकर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। ये फिल्म हाल ही में रिलीज हुई है। फिल्म को लेकर रणदीप ने अब तक कई इंटरव्यू दिए हैं। इस बीच एक इंटरव्यू में एक्टर ने कंगना रनौत और आलिया भट्ट के बीच कैट फाइट पर बात की है। रणदीप हुड्डा ने आलिया भट्ट के साथ फिल्म हाइवे में काम किया था। वहीं कंगना रनौत ने आलिया भट्ट को फिल्म गली बॉय के बाद आम एक्टर का टैग दिया था। इतना ही नहीं कंगना आलिया को काफी कुछ बोल डाला था। उस वक्त रणदीप ने आलिया भट्ट का ही सपोर्ट किया था। एक्टर ने ट्वीट कर कर लिखा था- डियर आलिया , आशा है कि आप दूसरे एक्टर्स के ओपीनियन को खुज पर हावी नहीं होने देंगी। आपके अच्छे काम के लिए आपको बहुत बधाई। वहीं अब एक बार फिर एक्टर ने आलिया के सपोर्ट में बात की है। हाल ही में रणदीप हुड्डा ने सिद्धार्थ कनन को एक इंटरव्यू दिया है। इस इंटरव्यू में एक्टर ने बताया कि-हाइवे के दौरान आलिया और मेरे बीच एक स्प्रिचुअल बॉन्ड बन गया था। ये मेरी तरफ से है मुझे नहीं पता उनकी तरफ से कैसा था। मैंने उन्हें हमेशा नई चीजें करते हुए देखा है। मैं उस वक्त उनके लिए असल में खड़ा था क्योंकि उन्हें बेवजह टारगेट किया गया था। रणदीप ने आगे कंगना को लेकर कहा कि-अपने साथ के एक्टर्स और कलीग्स को टारगेट करना उस चीज को लेकर जो आपको नहीं मिला ये गलत है। जबकि मुझे लगता है कि आपको इंडस्ट्री से बहुत कुछ मिला है। बता दें कि साल 2019 में कंगना रनौत ने आलिया भट्ट का मजाक बनाया था। कंगना ने आलिया की फिल्म गली बॉय को लेकर उन पर तंज कसा था। कंगना ने कहा था कि- मुझे शर्म आ रही है, गली बॉय में आलिया की परफॉर्मेंस में ऐसा क्या था। मुंहफट लड़की, महिला सशक्तिकरण और अच्छी एक्टिंग। मीडिया ने फिल्मी बच्चों को बहुत ज्यादा प्यार दे दिया है। ये आप काम करने वालों को फालतू का पैम्पर मत करो।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म इंडस्ट्री में कोई भी सच्चा देशभक्त नहीं: अभिजीत भट्टाचार्य

अपनी गायकी से लोगों के दिलों पर राज करने वाले अभिजीत भट्टाचार्य अक्सर अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में आ जाते हैं। एक साक्षात्कार में पाकिस्तानी गायकों को बढ़ावा देने के लिए सलमान खान की आलोचना करने वाले सिंगर अपने नए बयान की वजह से चर्चा में आ गए हैं। हाल ही में एक बातचीत के दौरान गायक ने कहा कि बॉलीवुड में एक भी एक्टर सच्चा राष्ट्रवादी या देशभक्त नहीं है। उन्होंने बताया कि फिल्म इंडस्ट्री में दोहरे मापदंड हैं। साथ ही, उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि सच्चा देशभक्त होने की वजह से उन्हें कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा। गायक ने कहा कि उन्हें इसलिए कष्ट सहना पड़ा, क्योंकि वह एक सच्चे राष्ट्रवादी हैं। उन्होंने कहा कि आजकल लोग ऐसा दिखावा करते हैं। गायक ने एक दंपति पर निशाना साधते हुए कहा कि पति सोशल मीडिया पर कुछ और प्रचार करते हैं, जबकि राजनीति में सक्रिय उनकी पत्नी कुछ और कहती हैं। गायक ने कहा, बॉलीवुड में कोई भी आदमी देशभक्त नहीं है। इसमें पति कुछ कहता है और पत्नी संसद में जाकर कुछ और कहती है। इसलिए पैसे देकर किसी को देशभक्त मत बनाइए। मैंने इस प्रक्रिया में पैसे और बहुत कुछ खोया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिजीत 90 के दशक के मशहूर गायक रहे हैं। उन्होंने अपने करियर में कई सुपरस्टार्स के लिए गाने गाए हैं। शाहरुख के लिए उन्होंने कई गानों में अपनी आवाज दी, जिन्हें लोगों ने खूब पसंद किया। गाने के अलावा वे कई सिंगिंग रियलिटी शोज में बतौर जज भी नजर आ चुके हैं।

साइलेंस 2 का सस्पेंस भरा ट्रेलर जारी

एसीपी अविनाश वर्मा बन फिर छाएंगे मनोज बाजपेयी

साइलेंस का सीक्वल साइलेंस 2 : द नाइट आउल बार शूटआउट का ट्रेलर जारी हो गया है। एसीपी अविनाश वर्मा के रोल में मनोज बाजपेयी एक बार फिर से छा गए हैं। फिल्म का ट्रेलर सस्पेंस से भरा हुआ है। डायरेक्टर भरूचा देवहंस की फिल्म 3 साल बाद नई कहानी के साथ लोगों को बांधे रखेगी। जिसकी एक झलक ट्रेलर रिलीज के बाद दिखी है। दरअसल ट्रेलर आते ही फैंस का उस्ताह काफी बढ़ गया है।

मनोज बाजपेयी फिल्म में फिर से एसीपी अविनाश वर्मा के रूप में नजर आएंगे, फिल्म में उनके साथ प्राची देसाई संजना के रूप में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी सच्ची घटनाओं पर आधारित, ट्रेलर में दिखाया गया है कि एसीपी अविनाश और उनकी टीम महिला की रहस्मय हत्या का खुलासा करेगी। फिल्म में सस्पेंस की भरमार होगी। अविनाश वर्मा 3 साल बाद वापस आ गए हैं। मनोज बाजपेयी ने फिल्म के बारे में बात करते हुए बोले- अविनाश क्राइम की इस दुनिया में शांति और व्यवस्था कयाम करने के लिए हैं। मुझे उम्मीद है कि हम दर्शकों की उम्मीद पर खरे उतरेंगे। एक बार फिर से दर्शकों को इमोशनल अनुभव होगा। साइलेंस 2 : द नाइट आउल बार शूटआउट 16 अप्रैल 2024 को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी-5 पर रिलीज होगी। मनोज बाजपेयी के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्टर हाल ही में किलर सूप में नजर आए थे। किलर सूप में मनोज बाजपेयी डबल रोल में नजर आए थे। सीरीज डार्क कॉमेडी है। मनोज बाजपेयी के साथ कोंकणा सेन शर्मा नजर आई थीं।

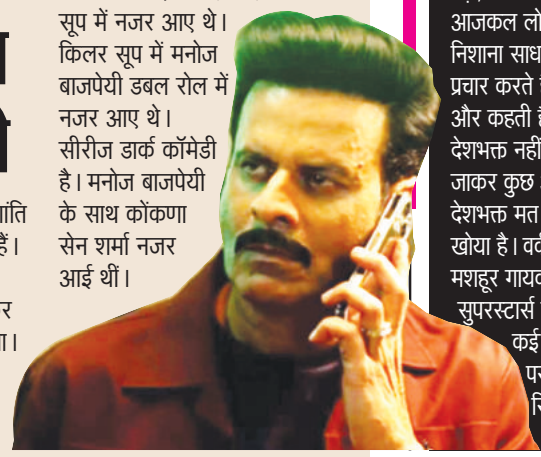

दुनिया की सबसे छोटी सीमा, मोहल्ले की गली से भी कम होगी लंबाई

दुनिया में बहुत से देश मौजूद हैं और इनकी अपनी खासियत होती है। कुछ देशों का क्षेत्रफल ज्यादा होता है तो कुछ का कम। कुछ देशों की सीमाएं काफी लंबी-चौड़ी होती हैं तो कुछ देशों की सीमाएं ज्यादा देशों के साथ लगती हैं। आज हम आपको एक ऐसी सीमा के बारे में बताने जा रहे हैं, जो सबसे छोटी है। आप इसकी लंबाई-चौड़ाई जानकर यकीन ही नहीं करेंगे कि इतना छोटा भी बॉर्डर हो सकता है। हर देश और शहर की अपनी खासियत होती है। आज हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में ही बताएंगे, जो दुनिया की सबसे छोटी सीमा के तौर पर मशहूर है। आपने स्पेन का नाम तो सुना ही होगा। यूं तो ये देश अपनी खूबसूरती और रिच कल्चर की वजह से जाना जाता है लेकिन आपको शायद ही पता होगा कि दुनिया की सबसे छोटी सीमा भी यही देश साझा करता है। स्पेन यूं तो करीब 2000 किलोमीटर लंबी सीमा पुर्तगाल और फ्रांस के साथ साझा करता है लेकिन इसी देश की एक सीमा इतनी छोटी है, जिसकी तुलना गली और पगडंडी से की जा सकती है। एंडोरा, यूनाइटेड किंगडम के जिब्राल्टर और मोरक्को के साथ साझा होने वाली इसकी सीमाएं काफी छोटी हैं। फिर भी स्पेन की सबसे छोटी सीमा 85 मीटर लंबी है, जो एक 19000 वर्गमीटर साइज की एक चट्टान से जुड़ती है, जो मोरक्कन कोस्ट से मिलती है। इसे दुनिया की सबसे छोटी सीमा माना जाता है।

Peñón de Vélez de la Gomera स्पेन की सीमा क्षेत्र में 1564 से आता रहा है। इसे एडमिरल पेड्रो ने जीता था। हालांकि मोरक्को इस इलाके पर हमेशा से अपना दावा मानता रहा है लेकिन स्पेन ने इसे कभी उसे वापस नहीं किया। यहां बाकायदा स्पैनिश सेनाएं रहती हैं, ताकि इसकी सुरक्षा हो सके। पेनन दि वेलेज दि ला गोमेरा नाम की इस चट्टान को साल 1934 तक एक आइलैंड माना जाता था लेकिन भकंप के बाद ये पेनिनसुला में बदल गया। ये आधिकारिक तौर पर दुनिया का सबसे छोटा लैंड बॉर्डर माना जाता है।

अजब-गजब | 168 अक्षरों से मिलकर बना है इस शहर का नाम

दुनिया में सबसे लंबा है इस देश की राजधानी का नाम, घूमने जाते हैं लोग

दुनिया में ऐसे बहुत से देश हैं जिनके नाम, या उन देशों में मौजूद शहरों के नाम बोलने में बेहद कठिन हैं। इन शहरों के नामों को सुनकर लोगों को गूगल पर उसके उच्चारण को पढ़ना पड़ता है, तब जाकर वो सही नाम ले पाते हैं। ऐसा ही नाम थाइलैंड की राजधानी बैंकॉक का है। आप ये नाम सुनकर कहेंगे कि ये तो बेहद आसान सा नाम है। भारतीयों में तो ये शहर काफी पॉपुलर भी है और वो अक्सर यहां घूमने भी जाते हैं। पर ये इस शहर का असल नाम नहीं है। असल नाम इतना जटिल है, कि जब आप उसे सुनेंगे, तो आपके होश उड़ जाएंगे। यहां हर साल सैकड़ों लोग घूमने जाते हैं।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के अनुसार दुनिया में सबसे सबसे लंबे नाम वाला शहर बैंकॉक है। पिछले दिनों एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें एक थाइलैंड की टूरिस्ट गाइड, बस के अंदर खड़ी होकर यात्रियों को बैंकॉक के असली नाम के बारे में बता रही है। आपको जानकर हैरानी होगी कि शहर का नाम 168 शब्दों से मिलकर बना है।

अब जब हमने आपको शहर का नाम बता दिया है तो चलिए इसका असल नाम भी बता देते हैं। दिल थाम लीजिए, क्योंकि शायद आप ये नाम पूरा कभी नहीं पढ़ पाएंगे। बैंकॉक का असली नाम है-इस शहर के नाम का अर्थ है परियों का शहर। नाम के हर भाग का अलग मतलब है। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार इस पूरे नाम का अर्थ है- परियों का शहर, अमर लोगों का महान शहर, नवरत्नों का शहर, राजा का तख्त, राजशाही महलों का शहर, देवताओं के अवतार का शहर, विश्वकर्मन द्वारा बनाया गया शहर जिसका निर्माण इंद्र के आदेश पर हुआ।

महबूबा ने अपनी ओर से गठबंधन का दरवाजा बंद किया : उमर

» बोले- लोस में एकसाथ नहीं तो विस में भी साथ नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर पीडीपी के साथ लोकसभा चुनावों में गठबंधन नहीं होता है तो विधानसभा चुनावों में भी दोनों पार्टियां एक साथ नहीं लड़ेंगीं। उमर अब्दुल्ला ने पीडीपी के कश्मीर में तीनों लोकसभा सीटों पर प्रत्याशी उतारे जाने के सवाल के जवाब में यह बयान दिया।

उमर ने कहा, कश्मीर की सीटों पर पिछले फार्मूला के बुनियाद पर उम्मीदवार उतारे गए। पहले फैसला यह हुआ था कि जो यहां से जीता है वहीं से चुनाव लड़ेगा। अगर पीडीपी लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है तो वह लड़ सकती है। लेकिन इससे साफ हो जाता है कि संसदीय चुनावों में गठबंधन नहीं हुआ तो विधानसभा चुनाव में भी एकजुट होने की कोई गुंजाइश नहीं है। उमर ने कहा कि महबूबा ने अपनी ओर से गठबंधन का दरवाजा बंद कर दिया है।

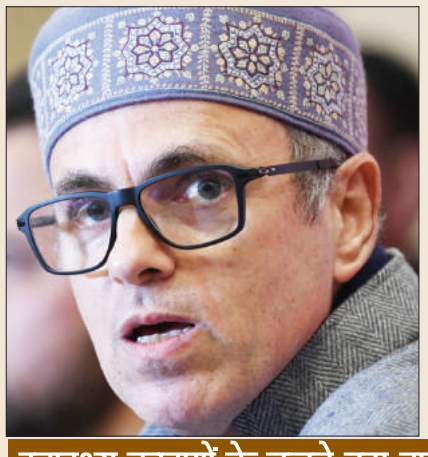

कश्मीर में तीनों सीटों पर लड़ेंगे : महबूबा

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर जम्मू कश्मीर की सियासत में हर रोज नई लहरें उठ रही हैं। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उनकी पार्टी कश्मीर की तीनों सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। इसके लिए मंथन चल रहा है। एक से दो दिन में प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की जाएगी। जम्मू संभाग की दो सीटों को लेकर महबूबा ने कहा कि इस पर उन्होंने कुछ नहीं सोचा है। पीडीपी प्रमुख ने यह भी कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने उन्हें कहीं का नहीं छोड़ा। ऐसे में अपने उम्मीदवार मैदान में उतारने के लिए वे मजबूर हैं।

स्वास्थ्य कारणों के चलते इस बार फारूक अब्दुल्ला नहीं लड़ेंगे चुनाव

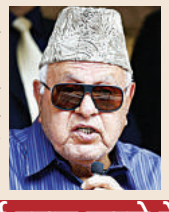

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष और श्रीनगर से मौजूदा सांसद फारूक अब्दुल्ला स्वास्थ्य कारणों से इस बार लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। नेकां के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर के बाहरी इलाके रावलपोरा में एक पार्टी कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी।

सीट बंटवारे पर चर्चा नहीं की गई

पीडीपी का कहना है कि नेकां ने सीट बंटवारे के लिए उनसे चर्चा नहीं की गई। पार्टी के एक नेता ने कहा कि महबूबा मुफ्ती से चर्चा की गई होती, तो वे इन सीटों को छोड़ सकती थीं। उधर, महबूबा मुफ्ती ने खुद भी कह चुकी हैं कि वह अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा कर लोकसभा चुनाव पर रणनीति को फाइनल करेंगी।

नेकां-पीडीपी में नहीं दिख रहा तालमेल

ऐसे में दोनों पार्टियों की जनता के बीच आ रही अलग-अलग बयानबाजी से साफ पता चल रहा है कि अंदर खाते में सब ठीक नहीं है। कश्मीर घाटी में इंडिया गठबंधन अभी भी परिपक्व नहीं हो पाया है। उसमें दरारें साफ दिख रही हैं, जो समय रहते नहीं भरी गई, तो घाटी में गठबंधन बिखर भी सकता है। हालांकि, पीडीपी और नेकां अलग-अलग मंचों से यह कह चुके हैं कि वे इंडिया गठबंधन के साथ हैं और गठबंधन मजबूत है।

जम्मू कश्मीर राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए लड़ने जा रहे चुनाव : गुलाम नबी

डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के संस्थापक गुलाम नबी आजाद ने कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लिए राज्य का दर्जा बहाल करने और प्रदेश में भूमि और नौकरी के अधिकारों की सुरक्षा के लिए अपनी लड़ाई जारी रखने के लिए आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है। गुलाम नबी अनंतनाग-राजोरी सीट से चुनाव लड़ेंगे। आजाद ने 2022 में कांग्रेस छोड़ कर पार्टी के साथ अपने पांच दशक लंबे जुड़ाव को समाप्त कर दिया था। इसके बाद उन्होंने डीपीएपी का गठन किया। उन्होंने कहा, ऐसी अटकलें हैं कि जम्मू-कश्मीर में राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा, लेकिन दिल्ली और पुडुचेरी की तर्ज पर जहां एलजी को मुख्यमंत्री और उनकी सरकार द्वारा किए गए हर फैसले को मंजूरी देनी होगी। यह गुलाम नबी आज़ाद को स्वीकार्य नहीं है। शायद, यह जम्मू-कश्मीर के किसी भी हिंदू, मुस्लिम, सिख, गुज्जर या पहाड़ी को स्वीकार्य नहीं होगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला द्वारा चुनाव लड़ने के लिए आज़ाद के निर्वाचन क्षेत्र पर आश्चर्य व्यक्त करने पर प्रतिक्रिया देते हुए आजाद ने कहा, यह मेरा राज्य है। किसी के लिए भी यह कहना गलत होगा कि आप बाहरी हैं... हम सभी भारतीय हैं।

सुरजेवाला के बयान के बाद मचा सियासी तूफान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हेमा मालिनी पर कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला के बयान को लेकर भाजपा हमलावर है। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि नारी शक्ति का अपमान ही अब कांग्रेस की पहचान है। उन्होंने कहा कि सुरजेवाला के बयान ने दिखा दिया है कि पार्टी में असभ्य, घृणित, स्त्रीद्वेषी और लिंगवादी लोग हैं। पूनावाला ने कहा कि सुरजेवाला हमेशा ऐसे बयान देते हैं।

» हेमा मालिनी पर आपत्तिजनक टिप्पणी से भड़की बीजेपी

» नारी शक्ति का अपमान ही कांग्रेस की पहचान : पूनावाला

उन्होंने पहले भी जनता को राक्षस कहा था, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। भाजपा नेता ने कहा कि सुरजेवाला हमेशा से महिला विरोधी रहे हैं और इस चुनाव में जिस तरह की मानसिकता दिखाई गई है, नारी शक्ति उन्हें जरूर सजा देगी।

हरियाणा के कैथल में अखिल भारतीय कांग्रेस के महासचिव और राजस्थान से राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला के विवादित बोल का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। इसमें सुरेजेवाला ने अभिनेत्री हेमा मालिनी पर काफी अभद्र टिप्पणी की है। यह वीडियो रविवार को जिले के गांव फरल में कुरुक्षेत्र में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी के पक्ष में आयोजित जनसभा का बताया जा रहा है। इस वीडियो में सुरजेवाला ने बॉलीवुड एक्टर हेमा मालिनी पर अशोभनीय टिप्पणी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वह कहते हैं- हम तो हेमा मालिनी का भी बड़ा सम्मान करते हैं। हम लोगों को इसलिए आप बनाते हैं जिससे हम आपकी सेवा कर सके। गौरतलब है कि इससे पहले भी सुरजेवाला ने भाजपा को वोट देने वाले लोगों को राक्षस प्रवृत्ति का बताया था।

केकेआर का धमाल, रिकॉर्ड 272 रन का स्कोर बनाया

पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंची केकेआर, दिल्ली का बुरा हाल

कोलकाता नाइट राइडर्स पॉइंट्स टेबल में टॉप पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2024 के 16वें मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। उसने दिल्ली कैपिटल्स को बुरी तरह हराया। दिल्ली ने यह मुकाबल 106 रनों से गंवा दिया। कोलकाता जीत के साथ ही पॉइंट्स टेबल में टॉप पर बनी हुई है। वहीं दिल्ली 9वें स्थान पर आ गई है। केकेआर की जीत से चेन्नई सुपर किंग्स की पोजीशन पर फर्क पड़ा है. मुंबई इंडियंस सबसे निचले स्थान पर है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम केकेआर ने अभी तक 3 मैच खेले हैं और सभी जीते हैं। उसके पास 6 पॉइंट्स हैं. केकेआर टॉप पर है। उसका नेट रन रेट +2.518 है। केकेआर ने दिल्ली से पहले सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को हराया था।

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। सुनील नारायण की आक्रामक बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 106 रन से हराया। नारायण के 39 गेंद में 85 और अंगकृष रघुवंशी के 27 गेंद में 54 रन की मदद से केकेआर ने सात विकेट पर 272 रन बनाये और आईपीएल के इतिहास का सर्वोच्च स्कोर के रिकॉर्ड की बराबरी करने से पांच रन से चूक गई।

दिल्ली के खिलाफ लगाई जीत की हैट्रिक

कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2024 में जीत की हैट्रिक लगा दी है। वहीं बुधवार को खेले गए मुकाबले में केकेआर ने दिल्ली कैपिटल्स को 106 रनों के बड़े अंतर से हराया। दिल्ली की टीम 273 रन के बड़े लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाई और 17.2 ओवर में 166 रनों पर ढेर हो गई। सुनील नारायण की आक्रामक बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 106 रन से हराया। नारायण के 39 गेंद में 85 और अंगकृष रघुवंशी के 27 गेंद में 54 रन की मदद से केकेआर ने सात विकेट पर 272 रन बनाये और आईपीएल के इतिहास का सर्वोच्च स्कोर के रिकॉर्ड की बराबरी करने से पांच रन से चूक गई। दिल्ली के गेंदबाजों ने टीम के इतिहास में किसी मैच में सबसे ज्यादा रन गंवाये। केकेआर के बल्लेबाजों ने 18 छक्के और 28 चौके जड़े। नारायण ने खलील अहमद को डीप प्वाइंट पर पहला चौका लगाया। उन्होंने ईशांत शर्मा के चौथे ओवर में तीन छक्के और दो चौके समेत 26 रन बंटोरे। दूसरी ओर फिल साल्ट को डेविड वॉर्नर से जीवनदान मिला लेकिन वह उसका फायदा नहीं उठा सके और अगली गेंद पर आउट हो गए।

होली मिलन समारोह का रंगारंग आयोजन

» लोक कलाकारों की मन मोहक प्रस्तुतियों ने जीता दिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुरली सेवा संस्थान (स्वरांजलि संस्कृति संस्थान) द्वारा होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मंदिर परिसर रिजर्व पुलिस लाइन के प्रांगण में आयोजित हुआ। बता दें कि मुरली सेवा संस्थान की संस्थापिका पद्मिनी सिंह ने डेढ़ सौ महिलाओं को जोड़कर एक छोटा सा गृह उद्योग स्थापित किया है। जिसमें वो गरीब महिलाओं को उनके द्वारा ही निर्मित वस्तुओं की बिक्री कर उस धन से गरीब महिलाओं की मदद करती हैं।

इस मौके पर स्वरांजलि संस्कृति संस्थान की सचिव अंजलि सिंह ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य हमारी लोक संस्कृति परंपरा को जीवित रखना और आगे की पीढ़ी तक पहुंचाना है। इस कार्यक्रम में हर उम्र के लोग शामिल हो सकते हैं और अपनी पसंद के लोकगीत व भजन आदि गा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आगे भी हमारी संस्था इसी तरह के रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी। इस दौरान मुख्य कलाकार लोकगायिका प्रीति लाल ने अपने सुंदर, सुमधुर गीतों से सबका मनोरंजन किया और साथ ही सभी लोकगायिका बहनों ने अपनी सुंदर प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वरिष्ठ लोकगायिका (कुमायूंनी कोकिला) विमल पंत रहीं। विशिष्ट अतिथि पद्मा गिडवानी ने अपने आशीर्वचनों से लोक कलाकारों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में आशियाना से रचना चतुर्वेदी (गौरी ज्योतिष केंद्र), समाज सेविका नीलू त्रिवेदी भी शामिल रहीं।

वहीं अपर्णा सिंह, सुमन शर्मा, पूनम कनवल, कविता, सुषमा प्रकाश, रीता रस्तोगी, आभा, शशि सिंह, मंजु श्रीवास्तव, रश्मि उपाध्याय और हरितिमा पंत ने अपनी सुंदर प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में डीजीपी रेखा बाजपेयी रिजर्व पुलिस लाइन और शालिनी शाही का पूर्ण सहयोग रहा।

कांग्रेस और राजद ने दुनिया में भारत का नाम खराब किया : मोदी

» बिहार के जमुई में जनसभा को किया संबोधित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के बाद बिहार को न्याय नहीं मिल पाया है। एनडीए सरकार ने बिहार को दलदल से बाहर निकाला है। नीतीश बाबू की इसमें बड़ी भूमिका रही है। 2024 का चुनाव बिहार और भारत के भविष्य के लिए काफी निर्णायक है।

आज एक ओर कांग्रेस और राजद जैसी पार्टियां हैं, जिन्होंने अपनी सरकार के समय पूरी दुनिया में देश का नाम खराब किया। वहीं एनडीए की सरकार का संकल्प है विकसित भारत का निर्माण। खुशहाल बिहार का निर्माण। आप याद कीजिए कि 10 साल पहले देश में भारत को लेकर क्या राय थी। छोटे-छोटे देश जो आंटे के लिए तरस रहे थे, उनके आंतकी देश में अशांति फैलाते थे। कांग्रेस गुहार लगाती रहती थी। एनडीए सरकार जब आई तो कहा कि यह चंद्रगुप्त और अशोक का भारत है। हम किसी के सामने घुटने नहीं टेका। आज भारत दुनिया का पांचवा अर्थव्यवस्था बन चुका है। भारत जब जी 20 की मीटिंग करता है तो उसकी चर्चा पूरे विश्व में होता है।

कांग्रेस से नेताओं के जाने का सिलसिला जारी

गौरव वल्लभ ने छोड़ी पार्टी, मुक्केबाज विजेंदर भाजपा में शामिल, निष्कासन के बाद निरुपम ने दिया इस्तीफा

» कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को चिट्ठी लिख दी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। कांग्रेस के लिए आए दिन कई तरह की परेशानियां खड़ी हो रही है। गुरुवार चार अप्रैल को कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस नेता गौरव वल्लभ ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने यह कहते हुए पार्टी से इस्तीफा दिया कि वह सनातन विरोधी नारे नहीं लगा सकते हैं। इस वजह से पार्टी में बने रहना मुश्किल है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए एक लिखा कि कांग्रेस पार्टी दिशाहीन होकर आगे बढ़ रही है। इस परिस्थिति में मैं खुद को पार्टी में सहज महसूस नहीं कर पा रहा हूं। मैं सनातन विरोधी नारे नहीं लगा सकता। इसलिए मैं कांग्रेस पार्टी के सभी पदों और सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं।

कांग्रेस जमीन से पूरी तरह कट चुकी है : वल्लभ

वल्लभ ने दावा किया कि कांग्रेस जमीन से पूरी तरह कट चुकी है और वह नए भारत की आकांक्षा को नहीं समझ पा रही है जिसके कारण पार्टी न तो सत्ता में आ पा रही है और न ही मजबूत विपक्ष की भूमिका निभा पा रही है। वल्लभ का कहना है कि पार्टी ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से दूर रहने का जो रुख अपनाया उससे वह क्षुब्ध हुए। उन्होंने इस्तीफे में कहा, ''मैं जन्म से हिंदू और कर्म से शिक्षक हूं। पार्टी के इस रुख ने मुझे हमेशा क्षुब्ध और परेशान किया। पार्टी व (इंडिया) गठबंधन से जुड़े कई लोग सनातन धर्म के खिलाफ बोलते हैं और उस पर पार्टी का चुप रहना, उसे एक तरह से मौन स्वीकृति देने जैसा है।'' उन्होंने जाति जनगणना के मुद्दे का उल्लेख करते हुए कहा है कि पार्टी इस संदर्भ में भी गलत दिशा में आगे बढ़ रही है।

अपने इस्तीफे में उन्होंने लिखा कि मैं काफी दुखी हूं और मन भी व्यथित है। मैं बहुत कुछ कहना और बताना चाहता हूं लेकिन मेरे संस्कार मुझे ऐसा करने से रोक रहे है। मैं अपने बातें आपके समक्ष रख रहा हूं ताकि मैं कोई सच न छिपाऊं। वल्लभ कई महीनों से पार्टी की ओर से टेलीविजन कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो रहे थे और लंबे समय से उनकी कोई प्रेस वार्ता भी नहीं हुई थी। उन्होंने त्यागपत्र में कहा, ''जब मैं कांग्रेस में शामिल हुआ था तो मेरा यह मानना था कि कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है जिसमें युवाओं और बौद्धिक लोगों की तथा उनके विचारों की कद्र होती है। लेकिन पिछले कुछ समय से महसूस हुआ की पार्टी का मौजूदा स्वरूप नए विचार वाले युवाओं के साथ सामंजस्य नहीं बैठ पा रहा है।

मेरे इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस ने निष्कासित किया : संजय निरुपम

कांग्रेस नेता संजय निरुपम को बीते दिन पार्टी ने निष्कासित कर दिया था। अब संजय ने पोस्ट कर नया खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि मैंने कल रात ही पार्टी को त्यागपत्र दे दिया था, जिसके तुरंत बाद उन्होंने मेरा निष्कासन जारी करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि इतनी तत्परता देखकर मुझे अच्छा लगा। खरगे को लिखे पत्र में निरुपम ने कहा, मैंने आखिरकार आपकी बहुप्रतीक्षित इच्छा को पूरा करने का फैसला किया है और मैं घोषणा करता हूं कि मैंने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने का फैसला किया है। निरुपम की नजर मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा क्षेत्र पर थी और वो आगामी संसदीय चुनावों के लिए शिवसेना (यूबीटी) को सीट देने के पार्टी के फैसले से नाराज थे। निरुपम के खिलाफ कार्रवाई की मांग तब बढ़ गई जब उन्होंने लोकसभा चुनाव के लिए महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन की सीट-बंटवारे की बातचीत के दौरान मुंबई की सीटें उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी को देने के लिए महाराष्ट्र कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना की। इससे पहले बुधवार को कांग्रेस ने स्टार प्रचारक के रूप में निरुपम का नाम हटा दिया था, जिससे संकेत मिला था कि पार्टी में सब सही नहीं है।

कांग्रेस की मजबूती के लिए काम करुंगा : पप्पू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलीय उम्मीवार के तौर पर पप्पू यादव नामांकन के लिए समाहरणालय पहुंचे। इससे पहले उन्होंने अपने माता-पिता का आशीर्वाद लिया। इसके बाद समर्थकों से मिलते से पैदल यात्रा कर पूर्णिया समाहरणालय जा रहे थे। लेकिन, समर्थकों की भीड़ बढ़ने लगी। इसके बाद पप्पू यादव बुलेट बाइक पर बैठकर समाहरणालय पहुंचे।

नामांकन से पहले पप्पू यादव ने कहा कि आज का दिन मेरी जिंदगी के अध्याय का है क्योंकि मैंने सबका दिल जीता है और मुझे सभी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। पूर्णिया और बिहार में कांग्रेस की मजबूती के लिए काम करुंगा। कांग्रेस किसी भी कीमत पर स्थापित हो, इस देश की युवाओं की, देश के अर्थव्यवस्था की बात होनी चाहिए।

मणिपुर के लोगों को चुनाव नहीं, शांति चाहिए!

बीजेपी सरकार होने से कोई लाभ नहीं, हिंसा के बीच सबसे मुश्किल चुनाव, भाजपा व एनपीएफ जीत सकते हैं 1-1 सीट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। हमें चुनाव नहीं चाहिए। चुनाव होने से क्या होगा? हमारे बच्चे आपस में लड़ रहे हैं। ये लड़ाई खत्म करनी चाहिए न। मणिपुर में बीजेपी की सरकार है और केंद्र में भी। फिर भी पीएम नरेंद्र मोदी कुछ नहीं बोल रहे हैं। यहां सरकार होने के बाद भी लग रहा कि हमारा कोई नहीं है। फिर चुनाव का क्या मतलब। मणिपुर की राजधानी इंफाल में रहने वालीं ओइनाम असलता देवी जब ये कह रही होती हैं तो उनके चेहरे पर गुस्सा और दुख साथ नजर आता है।

फिर हिंसा न भड़क जाए इस डर से ओइनाम हर रात सोने के बजाय महिलाओं के साथ इलाके की पहरेदारी कर रही हैं। ज्ञात हो कि मणिपुर हिंसा की आग में जल रहा है। एक साल से यह तपिश कम होने का नाम नहीं ले रही है। तमाम लोगों ने पीएम मोदी की मणिपुर आने की अपील की है। वहीं विपक्ष ने पीएम के मणिपुर न आने के लेकर कई बार निशाना साधा है। इसी बीच मणिपुर हिंसा को लेकर के मिक्स मार्शल आर्ट फाइटर चैंपियन चुंगरेंग कोरेन का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में वह पीएम मोदी से हिंसाग्रस्त मणिपुर का दौरा करने को कहते सुनाई दे रही है।

दर्द भरा वीडियो

वीडियो में चेंगरेंग कोरेन कहते सुनाई दे रहे हैं, मैं एक संदेश देना चाहता हूं। दिस इज माय हंबल रिक्वेस्ट। मोदी जी, मेरी तरफ से मैं यह मैसेज देना चाहता हूं, हिंसा हो रही है मणिपुर में, लगभग ह मेरा विनम्र अनुरोध है मोदी जी। मणिपुर में हिंसा हो रही है। लगभग एक साल हो गया है। हर दिन लोग मर रहे हैं और रिलीफ कैंप में कई लोग रह रहे हैं। खाना-पीना अच्छे से नहीं मिल रहा है और बच्चा लोग अच्छे से पढ़ाई नहीं कर रहा है। हम लोग यूट्यूब के लिए बहुत परेशान हैं। मोदी जी आप एक बार आकर मणिपुर में विजिट कर लीजिए और जल्द से जल्द मणिपुर को शांत करिए।

20 करोड़ के मालिक हैं राहुल गांधी

» कांग्रेस सांसद ने आयोग के हलफनामे में दी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी केरल के वायनाड से एक बार फिर लोकसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। राहुल गांधी ने बुधवार को अपना नामांकन दाखिल किया। पर्चा भरने के दौरान दिए गए हलफनामे के मुताबिक, राहुल गांधी 20 करोड़ रुपए की संपत्ति के मालिक हैं, लेकिन उनके पास कोई वाहन या आवासीय फ्लैट नहीं है। चुनावी हलफनामे में राहुल गांधी ने करीब 9.24 करोड़ रुपये की चल संपत्ति घोषित की है। इसमें 55,000 रुपए नकद, 26.25 लाख रुपए बैंक में जमा, 4.33 करोड़ रुपए के बांड और शेयर, 3.81 करोड़ के म्यूचुअल फंड, 15.21 लाख के सोने के बांड और 4.20 लाख के आभूषण शामिल हैं।

राहुल गांधी के पास 11.15 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। इनमें दिली के महरौली में खेती की जमीन भी शामिल है। इस जमीन की मालिक राहुल गांधी के साथ उनकी बहन प्रियंका गांधी भी हैं। राहुल के पास गुरुग्राम में खुद का ऑफिस स्पेस भी है, जिसकी वर्तमान कीमत 9 करोड़ रुपए से ज्यादा है। राहुल गांधी ने चुनावी हलफनामे में बताया है कि खेती की जमीन उनको विरासत में मिली संपत्ति है, जब कि ऑफिस स्पेस उन्होंने खरीदा है।

राहुल गांधी ने पुलिस केसों की दी जानकारी

अपने हलफनामे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उन पुलिस मामलों की भी जानकारी दी है, जिनमें उनका नाम शामिल है। इनमें सोशल मीडिया पोस्ट में कथित तौर पर रेप पीड़िता के परिवार के सदस्यों की पहचान का खुलासा करने के लिए यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत एक मामला शामिल है। राहुल ने बताया कि दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशानुसार एफआईआर सीलबंद लिफाफे में है। इसीलिए एफआई के विवरण के बारे में उनको जानकारी नहीं है कि उनको इसमें आरोपी के रूप में पेश किया गया है या नहीं। हालांकि, वह अत्यधिक सावधानी बरतते हुए इसका खुलासा कर रहे हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।